2) Language & communication Skills-2019-2024

हिंदी भाषा और संचार कौशल (Language & communication Skills):

1. स्पष्टता और प्रभावशीलता: विद्यार्थी सीखते हैं कि कैसे स्पष्ट और प्रभावी ढंग से अपने विचारों को व्यक्त करें।
2. व्याकरण और वर्तनी की समझ: विद्यार्थी हिंदी व्याकरण और वर्तनी की मूल बातें सीखते हैं।
3. शब्दावली और अर्थ की समझ: विद्यार्थी नए शब्दों का अर्थ और उपयोग सीखते हैं।
4. वाक्य रचना और शैली की समझ: विद्यार्थी वाक्य रचना और शैली की मूल बातें सीखते हैं।
5. सक्रिय सुनना और प्रतिक्रिया: विद्यार्थी ध्यान से सुनें और प्रतिक्रिया देने की कला सिखते हैं।
6. नॉन-वर्बलसंचार की समझ: विद्यार्थी नॉन-वर्बल संचार की मूल बातें सीखते हैं।
7. आत्मविश्वास और प्रभावशीलता: विद्यार्थी अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में आत्मविश्वास महसूस करते हैं।
8. संवाद कौशल: विद्यार्थी सीखते हैं कि कैसे प्रभावी ढंग से संवाद करें।
9. समूह कार्य औरसहयोग: विद्यार्थीयों में समूह कार्य करने और सहयोग करने की कला का विकास होता हैं ।
10. प्रस्तुति कौशल: विद्यार्थी भाषण, लेखन, वाचन काव्य लेखन, कथालेखन, आदि प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हैं।

MAJoshi
Dr.(Smt.) Madhuri Anil Joshi
Head Of Dept, (Hindi)
Government of Maharashtra
Ismail Yusuf College, Jogeshwari, Mumbai-60.

ISMAIL YUSUF COLLEGE MUMBAI

PRINCIPAL
Government of Maharashtra's
Ismail Yusuf College of
Arts, Science & Commerce,
Jogeshwari (East), Mumbai - 400 060

हिंदी भाषा और संचार कौशल outcome

हिंदी भाषा में प्रभावी ढंग से संवाद करने, समझने और व्यक्त करने की क्षमता:

1. लेखन कौशल: हिंदी में स्पष्ट और प्रभावी ढंग से लिखने की क्षमता।
2. बोलने की क्षमता: हिंदी में स्पष्ट और प्रभावी ढंग से बोलने की क्षमता।
3. पढ़ने की क्षमता: हिंदी में समझने और व्याख्या करने की क्षमता।
4. सुनने की क्षमता: हिंदी में ध्यान से सुनने और समझने की क्षमता।
5. संचार कौशल: हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद करने, समझने और व्यक्त करने की क्षमता।

- स्पष्टता और प्रभावशीलता
- व्याकरण और वर्तनी की समझ
- शब्दावली और अर्थ की समझ
- वाक्य रचना और शैली की समझ
- सक्रिय सुनना और प्रतिक्रिया
- नॉन-वर्बल संचार की समझ

हिंदी भाषा और संचार कौशल का महत्व है क्योंकि यह हमें प्रभावी ढंग से संवाद करने, अपने विचारों को व्यक्त करने और दूसरों को समझने में मदद करता है।

PRINCIPAL
Government of Maharashtra's
Ismail Yusuf College of
Arts, Science & Commerce.
Jogeshwari (East), Mumbai - 400 060

MAJoshi
Dr.(Smt.) Madhuri Anil Joshi
Head Of Dept, (Hindi)
Government of Maharashtra
Ismail Yusuf College, Jogeshwari, Mumbai-60.

Government of Maharashtra
Ismail Yusuf College
of Arts, Science and Commerce
Jogeshwari (East), Mumbai -60.

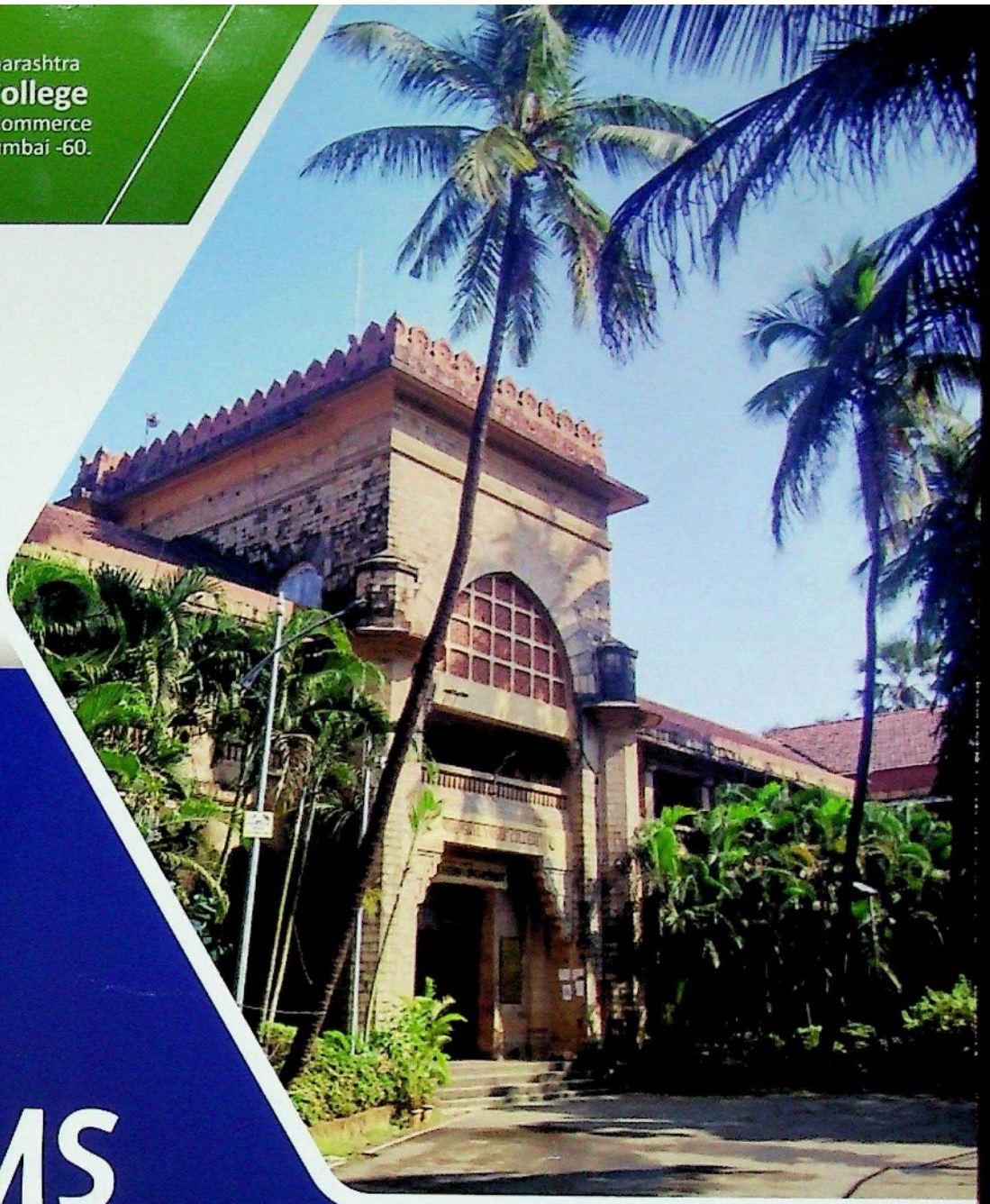

PALMS MAGAZINE 2020 - 2021 & 2021 - 2022

दिनांक -२३-०१-२१

गतिविधि का नाम - पी .आर सिंह भाषण प्रतियोगिता

१)वि. नाम -आर्य नक्श (तृतीय वर्ष कला) २)वि.नाम चेतना -दुबे (द्वितिय वर्ष कला)

Report:

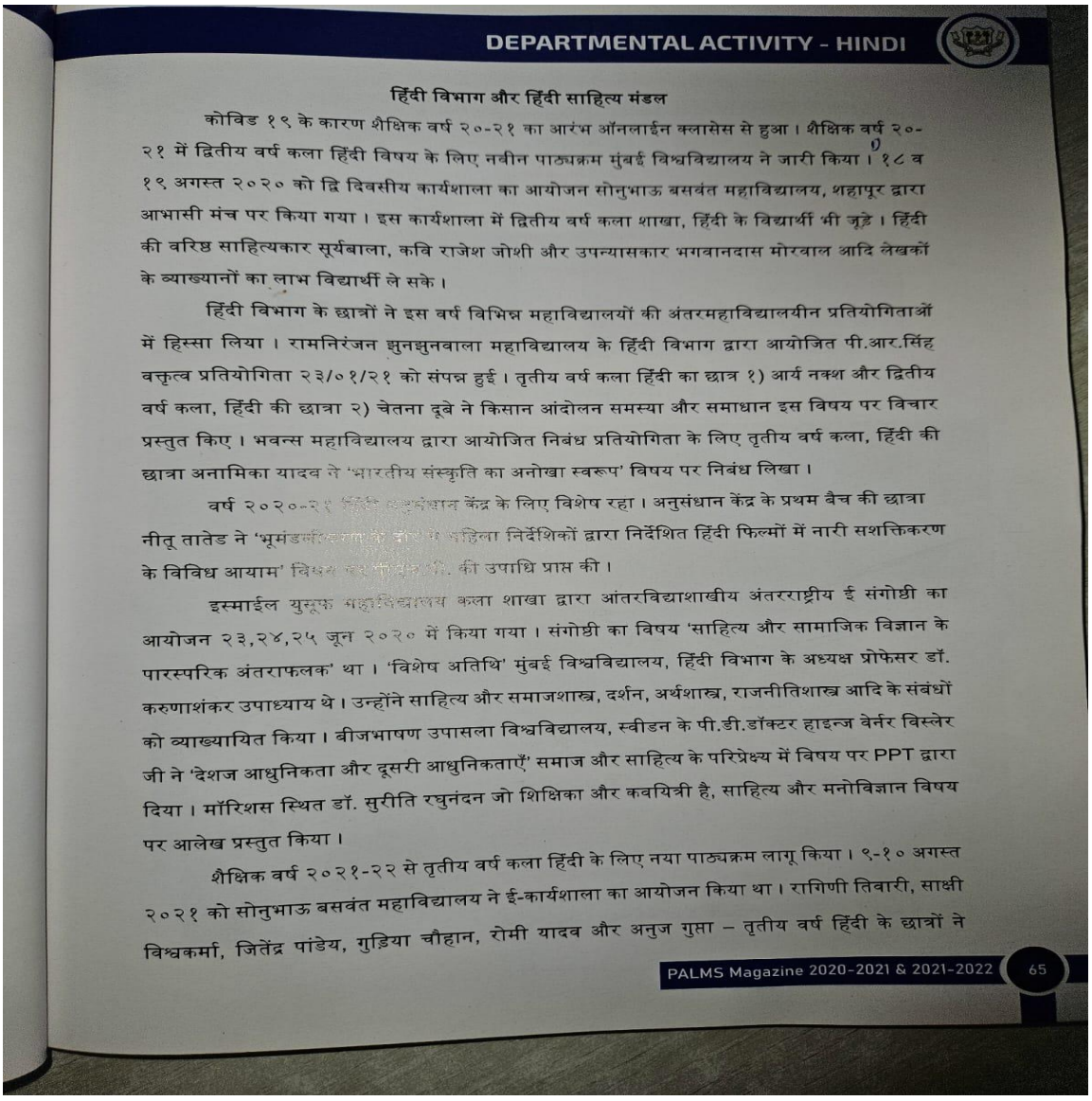

DEPARTMENTAL ACTIVITY - HINDI

हिंदी विभाग और हिंदी साहित्य मंडल

कोविड १९ के कारण शैक्षिक वर्ष २०-२१ का आरंभ ऑनलाईन क्लासेस से हुआ। शैक्षिक वर्ष २०-२१ में द्वितीय वर्ष कला हिंदी विषय के लिए नवीन पाठ्यक्रम मुंबई विश्वविद्यालय ने जारी किया। १८ व १९ अगस्त २०२० को द्वि दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सोनुभाऊ बसवंत महाविद्यालय, शहापूर द्वारा आभासी मंच पर किया गया। इस कार्यशाला में द्वितीय वर्ष कला शाखा, हिंदी के विद्यार्थी भी जुड़े। हिंदी की वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यबाला, कवि राजेश जोशी और उपन्यासकार भगवानदास मोरवाल आदि लेखकों के व्याख्यानों का लाभ विद्यार्थी ले सके।

हिंदी विभाग के छात्रों ने इस वर्ष विभिन्न महाविद्यालयों की अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। रामनिरंजन झुनझुनवाला महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित पी.आर.सिंह वक्तृत्व प्रतियोगिता २३/०१/२१ को संपन्न हुई। तृतीय वर्ष कला हिंदी का छात्र १) आर्य नक्श और द्वितीय वर्ष कला, हिंदी की छात्रा २) चेतना दूबे ने किसान आंदोलन समस्या और समाधान इस विषय पर विचार प्रस्तुत किए। भवन्स महाविद्यालय द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता के लिए तृतीय वर्ष कला, हिंदी की छात्रा अनामिका यादव ने 'भारतीय संस्कृति का अनोखा स्वरूप' विषय पर निबंध लिखा।

वर्ष २०२०-२१ हिंदी अनुसंधान केंद्र के लिए विशेष रहा। अनुसंधान केंद्र के प्रथम बैच की छात्रा नीतू तातेड ने 'भूमंडलीकरण के दौर में महिला निर्देशिकों द्वारा निर्देशित हिंदी फिल्मों में नारी सशक्तिकरण के विविध आयाम' विषय पर पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

इस्माईल युसूफ महाविद्यालय कला शाखा द्वारा आंतरविद्याशाखीय अंतरराष्ट्रीय ई संगोष्ठी का आयोजन २३,२४,२५ जून २०२० में किया गया। संगोष्ठी का विषय 'साहित्य और सामाजिक विज्ञान के पारस्परिक अंतराफलक' था। 'विशेष अतिथि' मुंबई विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय थे। उन्होंने साहित्य और समाजशास्त्र, दर्शन, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र आदि के संबंधों को व्याख्यायित किया। बीजभाषण उपासला विश्वविद्यालय, स्वीडन के पी.डी.डॉक्टर हाइन्ज वेर्नर विस्लेर जी ने 'देशज आधुनिकता और दूसरी आधुनिकताएँ' समाज और साहित्य के परिप्रेक्ष्य में विषय पर PPT द्वारा दिया। मॉरिशस स्थित डॉ. सुरीति रघुनंदन जो शिक्षिका और कवयित्री है, साहित्य और मनोविज्ञान विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

शैक्षिक वर्ष २०२१-२२ से तृतीय वर्ष कला हिंदी के लिए नया पाठ्यक्रम लागू किया। ९-१० अगस्त २०२१ को सोनुभाऊ बसवंत महाविद्यालय ने ई-कार्यशाला का आयोजन किया था। रागिणी तिवारी, साक्षी विश्वकर्मा, जितेंद्र पांडेय, गुड़िया चौहान, रोमी यादव और अनुज गुप्ता – तृतीय वर्ष हिंदी के छात्रों ने

PRINCIPAL
Government of Maharashtra's
Ismail Yusuf College of
Arts, Science & Commerce,
Jogeshwari (East), Mumbai - 400 060

DEPARTMENTAL ACTIVITY - HINDI

उपस्थिति दर्ज करके ई-प्रमाणपत्र प्राप्त किए। ई-कार्यशाला में सहभागी होने से विद्यार्थियों को विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के व्याख्यान सुनने का मौका मिला।

२१ फरवरी २०२२ को हिंदी साहित्य अकादमी और सोनुभाऊ बसवंत कॉलेज की तरफ से 'वैश्विक परिदृश्य और हिंदी' विषय पर आंतरराष्ट्रीय हिंदी वेबिनार का आयोजन किया था। तृतीय वर्ष हिंदी के छात्र जितेंद्र पांडेय, गुड़िया चौहान, रोमी यादव आदि ने उपस्थित रहकर ई-प्रमाणपत्र प्राप्त किए। ऑनलाईन संगोष्ठियों के कारण छात्रों के सोच के दायरे व्यापक हुए है।

विभागप्रमुख

माधुरी जोशी

PRINCIPAL
Government of Maharashtra's
Ismail Yusuf College of
Arts, Science & Commerce,
Jogeshwari (East), Mumbai - 400 060

MAJoshi
Dr.(Smt.) Madhuri Anil Joshi
Head Of Dept, (Hindi)
Government of Maharashtra
Ismail Yusuf College, Jogeshwari, Mumbai-60.

किसान आंदोलन समस्या और समाधान

भारत विश्व का दूसरे नंबर का कृषि प्रधान देश है। क्योंकि भारत मे आज भी ६८% जनसंख्या कृषि क्षेत्र मे रोजगार प्राप्त कर रही है। कृषि भारत की सकल घरेलू उत्पाद मे १७% का योगदान करती है।भारत की आर्थिक स्थिति मे कृषि का एवं इसे सशक्त बनाने मे किसानो का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। जो किसान अन्नदाता के रूप मे हमारे भोजन की आवश्यकता की पूर्ति करता है, उसी की आवश्यकता का ख्याल हमारी सरकार क्यो नही रख पा रही है? भारत सरकार द्वारा पारित ३ कृषि बिल क्या है? किसान क्यो इन बिल के खिलाफ आंदोलन कर रहे है? क्यो बड़ी संख्या मे किसान भारत की राजधानी दिल्ली मे आंदोलन कर रहे है? आइए इसके बारे मे जाने।

पहला कानून जिसका नाम 'कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य' (संवर्धन और सरलीकरण) विधेयक 2020 है। यह कानून निकट भविष्य मे सरकारी कृषि मंडियो की प्रासंगिकता को शून्य कर देगा, सरकार निजी क्षेत्रो को बिना किसी पंजीकरण और बिना किसी जवाबदेही के कृषि उपज के क्रय विक्रय की खुली छूट दे रही है। अनाज वितरण का अधिकार निजी कंपनी को सौंप रही है। सोचिए कि अगर निकट भविष्य मे कभी कोरोना से ही विषम परिस्थिति का सामना करना पडा तो उस दौरान सरकार खुद लोगो को बुनियादी खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए निजी क्षेत्र से खरीदारी करेगी। वही, आज वह इसे अपने बडे एफसीआई गोदामो से लोगो को मुफ्त मे उपलब्ध करा रही है। साथ ही सरकारी कृषि मंडियो के समानांतर आसान शर्तों पर खडा किए जाने वाला नया बाजार इन की प्रासंगिकता को खत्म कर देगा और जैसे ही सरकारी मंडियो की प्रासंगिकता खत्म होगी, क्योंकि मंडिया एमएसपी को सुनिश्चित करती है।

दूसरा कानून 'कृषि (सशक्तिकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार विधेयक 2020 है। जिसकी अधिक चर्चा कॉन्ट्रैक्ट फोरम के विवाद मे समाधान के मौजूदा प्रावधानो के संदर्भ मे की जा रही है। कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के इस कानून की वजह से देश मे भूमिहीन किसानो के एक बहुत बडे वर्ग के जीवन पर गहरा संकट आने वाला है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश मे कुल 26.3 करोड परिवार खेती किसानी के कार्य मे लगे हुए है। इसमे से महज 11.9 करोड किसानो के पास खुद की जमीन है। जबकि 14. ४३करोड किसान भूमिहीन है। भूमिहीन किसानो की एक बडी संख्या 'बटाई' पर खेती करती है। भूमि के मालिक से कुल पैदावार की आधी फसल पर बंटाई बोई जाती है। ग्रामीण इलाको का यह अपना एक प्रचलित खेती करने का तरीका है। इस नए कानून के जरिए पूंजी पतियो को कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग के लिए खुली छूट दी जा रही है। अब सोचने का विषय यह है कि गांव का कोई भूमिहीन किसान इन बडे निजी क्षेत्र की फॉर्म से मुकाबला कैसे करेगा? एक बड़ी कंपनी बडी आसानी से किसी किसान से उसकी भूमि 5 साल की अवधि के लिए एकमुश्त एडवांस पर ले सकती है।लेकिन गांव का एक भूमिहीन किसान यह करने मे असमर्थ रहेगा। ऊपर से भारत के किसानो का एक बडा हिस्सा आरक्षित है जो कि कानूनी अनुबंध करने मे खुद को असहज पाएगा, ऐसी परिस्थितियो मे भूमिहीन किसानो का पूरा जीवन खत्म हो जाएगा। ऊपर से बडी कंपनियां मशीनो के लिए खेती का कार्य करेंगे ना कि मजदूर के जरिए। इसलिए बहुत अधिक रोजगार भी उत्पन्न नही होने जा रहे है। यह कानून देश के 14 करोड भूमिहीन किसानो के भविष्य को प्रभावित करने जा रहा है।

तीसरा कानून 'आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक २०२० है। यह कानून आने वाले निकट भविष्य मे खाद्य पदार्थों की महंगाई का दस्तावेज है। इस कानून के जरिए निजी क्षेत्र को असीमित भंडारण की छूट दी जा रही है। खेती उपज जमा करने के लिए निजी निवेश को छूट होगी। सरकार को पता नही चलेगा कि किसके पास कितना स्टॉक है और कहा है? यह जमाखोरी और कालाबाजारी को कानूनी मान्यता देने जैसा है। वही, इस कानून मे स्पष्ट लिखा है कि राज्य सरकार और सीमित भंडारण के प्रति तभी कार्यवाही कर सकती है जब वस्तुओं की मूल्य वृद्धि बाजार मे दोगुनी होगी। एक तरह से देखे तो यह कानून महंगाई बढ़ाने की भी खुली छूट दे रहा है। जो कि मध्यम और निम्न वर्ग के लिए एक नुकसान दायक कानून है। समय रहते सरकार को चाहिए कि इन तीनो कानूनो का उचित हल निकाल लिया जाए। वजह है कि यह आंदोलन भूमिहीन किसानो के रास्ते होते हुए मध्य एवं निम्न आय वर्ग को भी जोड़ेगा। आने वाले भविष्य मे जब यह दोनो वर्ग भी खुद को इन कानून के जरिए ठगा महसूस करेंगे तो आंदोलन की रफ्तार और तेज हो जाएगी। तीनो ही कृषि कानून किसान और आम लोगो को बहुत फायदा पहुचाने नही जा रहे है, ना तो कोई सामान्य किसान इतना आर्थिक समृद्धि है कि वह बडे गोदाम बना कर अपनी फसलो का भंडारण करेगा और ना ही भूमिहीन किसान इतने मजबूत है कि वह एक लंबी अवधि के लिए खेतो का कानूनी अनुबंध कर पाएंगे। तो फिर यह सब कौन कर सकेगा? उत्तर है पूंजी से भरे पडे लोग। सरकार को तीनो कानून वापस लेने पर पडे है ये किसानो की जीत है या परिवर्तन का विरोध यह समय तय करेगा।

चेतना दुबे
एस. वाय. बी. ए.

ISMAIL YUSUF COLLEGE MUMBAI
PRINCIPAL
Government of Maharashtra's
Ismail Yusuf College of
Arts, Science & Commerce,
Jogeshwari (East), Mumbai - 400 060

MAJoshi
Dr.(Smt.) Madhuri Anil Joshi
Head Of Dept. (Hindi)
Government of Maharashtra
Ismail Yusuf College, Jogeshwari, Mumbai-60.